भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग

**लोक सभा**
**अतारांकित प्रश्न संख्या : 2565**
बुधवार, 11 दिसंबर, 2024 को उत्तर देने के लिए

**भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन**

**2565. श्री भर्तृहरि महताब :**
**श्री बिद्युत बरन महतो :**
**श्री दुलू महतो :**
**श्री दिनेशभाई मकवाणा :**

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भावी अन्वेषण कार्यक्रमों की संभावनाओं को बढ़ाने के लिए भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन की स्थापना के लक्ष्यों का ब्यौरा क्या है; और
(ख) भारत के अंतरिक्ष दृष्टिकोण 2047 को प्राप्त करने के लिए निर्धारित महत्वाकांक्षी स्वदेशी कार्यक्रमों का ब्यौरा क्या है?

**उत्तर**
**कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय**
**तथा प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री**
**(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :**

(क) अमृत काल में अंतरिक्ष की दूरदृष्टि के लिए अन्य बातों के साथ-साथ वर्ष 2035 तक एक प्रचालनात्मक भारतीय अंतरिक्ष केंद्र (बीएएस) और वर्ष 2040 तक मानव सहित भारतीय चंद्र मिशन की स्थापना शामिल है। बीएएस अन्य क्षेत्रों सहित विज्ञान, प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, कृषि, अंतरिक्ष संबंधी विनिर्माण के क्षेत्र में बहु विषयक सूक्ष्मगुरुत्व परीक्षण और अध्ययन करने वाली पहली राष्ट्रीय अंतरिक्ष प्रयोगशाला होगी। बीएएस वैश्विक और राष्ट्रीय सहयोग, चंद्र अन्वेषण एवं उससे आगे के प्रवेश द्वार और देश की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में सहायता के लिए मंच के रूप में भी कार्य करेगा।
इसरो ने भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए विभिन्न प्रौद्योगिकियों का विकास प्रारंभ कर दिया है। इन प्रौद्योगिकियों को बीएएस के लिए अग्रगामी मिशनों के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा, जिसे हाल ही में गगनयान कार्यक्रम में संशोधन के हिस्से के रूप में सरकार द्वारा अनुमोदित किया गया है।
(ख) अंतरिक्ष विभाग प्रमुख मिशनों की मंजूरी के साथ भारत के अंतरिक्ष दृष्टिकोण 2047 की ओर बढ़ रहा है, जिसमें शामिल हैं:

- वर्ष 2028 तक भारतीय अंतरिक्ष केंद्र (बीएएस) के प्रथम मॉड्यूल की स्थापना,
- वर्ष 2032 तक उपग्रह प्रमोचन यान की अगली पीढ़ी (एनजीएलवी) (पूनः प्रयोज्य कम लागत वाले प्रमोचन यान) का विकास,
- चंद्रमा पर सफलतापूर्वक उतरने के बाद पृथ्वी पर वापस आने से संबंधित प्रौद्योगिकियों का विकास और प्रदर्शन करने के साथ चंद्रमा के नमूने भी एकत्र करने के लिए वर्ष 2027 तक चंद्रयान-4, और
- शुक्र की सतह और उपसतह, वायुमंडलीय प्रक्रियाओं और शुक्र के वायुमंडल पर सूर्य के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए वर्ष 2028 तक शुक्र कक्षीय मिशन (वीओएम)।

***